स्वयं सहायता समूहों से जुड़ेंगे डेढ़ करोड़ लोग

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

नीतीश कुमार ने बताया कि अगले पांच वर्षों में दस लाख ऐसे समूहों का गठन करने का लक्ष्य है। इसके माध्यम से कम से कम डेढ़ करोड़ लोगों को इससे जुड़ने का अवसर मिलेगा। यदि इनके परिवारों को शामिल किया जाए तो इनकी पहुंच छह करोड़ लोगों तक होगी। इस लिहाज से इसका सबसे बड़ा क्षेत्र होगा।

उन्होंने राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण घोषणा को स्वयं सहायता समूह से जोड़ने की भी घोषणा की। वे शनिवार को श्रीकृष्ण मेमोरियल हाल में जीविका स्वयं सहायता समूहों के सामाजिक एवं वित्तीय समावेशन से सम्बद्ध कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार की अगले पांच वर्षों में दस लाख परिवारों को तीन-तीन बकरी या भेड़ देने की योजना पर काम कर रही है, लेकिन इसके लाभार्थियों का चयन इन्हीं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से होगा। संगठन खुद ऐसे लोगों का चयन करेंगी। यही नहीं हर साल 5.50 लाख परिवारों को 45-45 मुर्गियां भी देने की योजना है।

इसके पहले उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि महिला अधिकार के लिए लंबी लड़ाई लड़ी है। प्राचीनकाल में ऐसी स्थिति नहीं थी। सीता-पार्वती घूंघट में नहीं रहती थीं। विद्या की प्रतीक सरस्वती, धन की प्रतीक लक्ष्मी व शक्ति की प्रतीक दुर्गा थीं। पहले बाल विवाह भी नहीं था। पर, बीच में स्थिति बदल गयी। हाल यह था कि महिलाओं को

शनिवार को पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में जीविका के कार्यक्रम का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। साथ में हैं उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, मंत्री नीतीश मिश्रा, परवीन अमानुल्लाह व अन्य।

मताधिकार के लिए लंबी प्रतीक्षा करनी पड़ी। विधानसभा में इस संबंध में आया पहला प्रस्ताव ही खारिज हो गया। उन्होंने महिलाओं से तीन बातों का संकल्प लेने की अपील की और कहा कि घर-घर शौचालय हो, हर लड़की स्कूल जाए और 18 वर्ष से पहले लड़कियों का विवाह न हो। मोदी ने केन्द्रीय वित्त मंत्री की बजट घोषणा का जिक्र करते हुए कहा कि उसमें इन महिलाओं के लिए सात फीसदी पर कृषि की तर्ज पर बैंक ऋण देने की घोषणा की गयी थी। पर, वह अबतक अमल में नहीं आया है।

स्वयं सहायता समूह की दीदियों ने साझा किये अपने अनुभव

समूह बनाकर हमने अपनी छोटी-छोटी समस्याओं का समाधान उसके माध्यम से शुरू किया। एक बार गांव में डायरिया फैला तो सभी स्वयं सहायता समूह मिलकर एक ही दिन पूरे गांव में सफाई अभियान चलाया और उसके सार्थक परिणाम आए।
-रवीना खातून, पूर्णिया

जब गांव के सम्पन्न लोगों को व उनके बच्चों को स्कूल जाते और अच्छा करते देखती तो मन कचोटता था। पर, स्वयं सहायता समूह बनाकर काम करने से स्थिति बदल गयी है।
नीलम, बोचहां, मुजफ्फरपुर

स्वयं सहायता समूह ने गांव में आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं की दशा बदल दी है। हमने खाद्य सुरक्षा के लिए काम किया और आज हमारे गांव की सूरत बदल चुकी है।
-मिथिलेश, अलौली, खगड़िया

हर पंचायत में जीविका भवन

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

सरकार कर रही विचार

- जीविका स्वयं सहायता समूहों के सामाजिक एवं वित्तीय समावेशन संबंधी कार्यक्रम में मंत्री बोले
- अगले पांच वर्षों में दस लाख स्वयं सहायता समूहों के गठन पर चल रहा काम

ग्रामीण विकास मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि सरकार स्वयं सहायता समूहों को काम करने का बेहतर माहौल उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक जीविका भवन के निर्माण पर विचार कर रही है। इसमें तमाम मूलभूत सुविधाएं होंगी। मंत्री श्रीकृष्ण मेमोरियल हाल में जीविका स्वयं सहायता समूहों के सामाजिक एवं वित्तीय समावेशन से सम्बद्ध कार्यक्रम बढ़ते कदम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि आधारभूत संरचना के तहत जहां पहले भवन बन चुका है उनका स्थानांतरण भी ग्राम पंचायतों को किया जाएगा।

श्री मिश्रा ने बताया 10-15 महिलाओं का एक समूह होता है और ऐसे 10-15 समूहों को मिलाकर ग्राम पंचायत बनता है। अगले पांच वर्षों में दस लाख ऐसे स्वयं सहायता समूहों के गठन पर काम चल रहा है। केन्द्र सरकार द्वारा स्वर्ण जयंती स्वरोजगार योजना के स्थान पर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन का क्रियान्वयन करने का निर्णय लिये जाने के बाद राज्य के सभी प्रखंडों में चरणबद्ध तरीके से इस मिशन के क्रियान्वयन के लिए जीविका को राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के रूप में नामित किया गया है।

हालांकि पूर्व में जितने समूहों का गठन हो चुका है उनके लिए भी कार्ययोजना बनाई जा रही है।

समाज कल्याण मंत्री परवीन अमानुल्लाह ने कहा कि स्वयं सहायता समूह ने महिलाओं में आत्मविश्वास भरा है और वे घरों से निकलकर अपनी क्षमता दिखा रही हैं। उन्होंने दिखा दिया है कि सीमित संसाधन के बावजूद वे आत्मनिर्भर बन सकती हैं और दूसरों के समक्ष आदर्श भी पेश कर सकती हैं। समारोह को विकास आयुक्त फूल सिंह, ग्रामीण विकास विभाग के सचिव अमृतलाल मीणा, ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर आरबीआई के क्षेत्रीय निदेशक पी.के. जेना, एसबीआई के सीजीएम ए.के. राय, जीवन दास राय भी मौजूद थे। कार्यक्रम में गया, नालंदा, मुजफ्फरपुर, मधुबनी, खगड़िया, सुपौल, मधेपुरा, सहरसा व पूर्णिया से आई लगभग दो हजार महिलाओं ने हिस्सा लिया।